Swarnit Nath class-6 Sec-B

HW= 10-1-2021

1. नरेंद्र का पुरा नाम क्या था?

उ→ नरेंद्र का पुरा नाम नरेंद्रनाथ दत्त था।

2. नरेंद्र के माता और पिता के नाम क्या थे?

उ→ नरेंद्र के माता का नाम भुतनेश्वरी देवी और पिता का नाम विश्वनाथ दत्त था।

3. नरेंद्र सिंह गर्जन करते हुए क्या कहा?

उ→ नरेंद्र सिंह गर्जन करते हुए कहा - "उठो! जागो! आगे बढो

और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको नहीं "।

5. "सतत परिश्रम से सब कुछ साध्य हो सकता है।" परिश्रम का महत्व बताते हुए इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उ> मनुष्य के जीवन में परिश्रम का बहुत महत्व होता है। ऐसा कोई भी कार्य नहीं है जो परिश्रम से सफल न हो सके। श्रम से ही उन्नति और विकास का मार्ग खुल सकता है। आज के समय में जितनी भी देश उन्नति

(29)

और विकास के स्तर पर हैं। ने उपर पहुँच गए हैं वे भी परिश्रम के बल पर ही पहुँचे हैं। परिश्रम से अभिप्राय होता है वो परिश्रम जिससे विकास और रचना हो। जो परिश्रम व्यर्थ में किया जाता है उसका कोई अर्थ नहीं होता है। परिश्रम के बिना किसी भी प्राणी का जीवन व्यर्थ होता है।